

प्रेषक,

भास्करानन्द,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
पौड़ी गढ़वाल एवं टिहरी गढ़वाल।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास अनुभाग देहरादून: दिनांक दिसम्बर, 2014

विषय:- वित्तीय वर्ष 2014-15 में प्रभावितों को तत्काल राहत सहायता वितरण हेतु अहेतुक सहायता, गृह अनुदान एवं अनुग्रह अनुदान इत्यादि मदों के अंतर्गत धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल के पत्र संख्या-433/13-ए.सी.आर.ए./2014-15, दिनांक 22.11.2014 एवं जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल के पत्र संख्या-1268/13-मु0रा0ले0-दै0 आा0/धनावंटन/2014-15, दिनांक 25.11.2014 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावों के सन्दर्भ में सम्यक विचारोपरान्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अहेतुक सहायता, गृह अनुदान एवं अनुग्रह अनुदान इत्यादि मदों में संलग्न में उल्लिखित विवरणानुसार कुल ₹ 215.00 लाख (₹ दो करोड़ पन्द्रह लाख मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखे जाने एवं नियमानुसार व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल को निर्देशित किया जाता है कि टी0आर0-24 से आहरित धनराशि ₹ 15.00 लाख का समायोजन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत धनराशि अहेतुक सहायता, गृह अनुदान एवं अनुग्रह अनुदान की मदों में ही नियमानुसार व्यय की जायेगी एवं अवशेष धनराशि वित्तीय वर्ष के अन्त में शासन को समर्पित कर दी जायेगी।
- 3- स्वीकृत धनराशि का उपयोग उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिस प्रयोजन हेतु धनराशि स्वीकृत की गई है। धनराशि का गलत उपयोग होने पर संबन्धित जिलाधिकारी का उत्तरदायित्व होगा।
- 4- स्वीकृत धनराशि का वितरण तत्परतापूर्वक कराया जायेगा, जिससे प्रभावितों में शीघ्रातिशीघ्र राहत राशि का वितरण सुनिश्चित हो सके।
- 5- प्रभावितों की सम्यक पहिचान (Identity) एवं पुष्टि के बाद ही स्वीकृत राहत सहायता का वितरण किया जाये। राहत सहायता वितरण में किसी प्रकार की अनियमितता एवं दोहराव की स्थिति पाये जाने पर संबन्धित जिलाधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 6- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, मितव्यता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।
- 7- स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31.03.2015 तक उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का कोषागार से आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जाये और यदि

8-20 उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक अनुदान संख्या-6 के अंतर्गत लेखाशीर्षक 2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-05 राज्य आपदा मोचन निधि (90% केन्द्र पोषित)-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-00-13 आपदा राहत निधि से व्यय-42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

9— यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा. संख्या-177 NP/XXVII(5)/2014-15, दिनांक 05 दिसम्बर, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
संलग्नक—यथोपरि:।

भवदीय,
(भास्करानन्द)
सचिव

संख्या-५५५) (1)/XVIII-(2)/14-12(4)/2013, तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।

- 2— आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी गढ़वाल।
- 3— निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 4— अपर सचिव, वित्त एवं व्यय अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 5— कोषाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल एवं टिहरी गढ़वाल।
- 6— बजट अधिकारी, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय उत्तराखण्ड।
- 7— राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8— प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9— वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 10— गार्ड फाइल।

आज्ञा से, ✓

शशि
(भास्करानन्द)
सचिव

[illegible]

शासनादेश संख्या-5001/XVIII-(2)/2014-12(4)/2013, दिनांक 05 दिसम्बर, 2014 का

संलग्नक

क्र.सं.	जनपद	स्वीकृत धनराशि (₹ लाख में)
1	पौड़ी गढ़वाल	200.00
2	टिहरी गढ़वाल	15.00
	कुल योग	215.00

(₹ दो करोड़ पन्द्रह लाख मात्र)

S. S. S.
(भास्करानन्द)
सचिव